مجموعه پوستر

بایدها و نبایدهای مسئولین اسلامی از نظر امام (ره)

زبان هندی

TVShia.com

इमाम ज़माना (अ) इमाम ख़ुमैनी की निगाह में

इस संसार के इकलौते न्यायकर्ता, इंसानियत को साम्राज्य के अत्याचार से निजात दिलाने का परचम उठाने वाले, 15 शाबान को इस धरती पर जन्म लेने वाले की ख़िदमत में सलाम और सलवात के साथ। सलाम हो उस पर और उसके वास्तविक प्रतीक्षा करने वालों पर, सलाम हो उसकी ग़ैबत और ज़ोहूर पर और सलाम हो उन पर जो उसके ज़ोहूर की सच्चाई को समझते हैं और उसके मार्गदर्शन और मारेफ़त के जाम को होंठों से लगाते हैं।

(15 शाबान 68 को इमाम का संदेश)

TVShia.com

इमाम ख़ुमैनी की निगाह में पूर्व और पश्चिम के लक्ष्य

आज पूर्व और पश्चिम अच्छे से जानते हैं कि वह एकेली शक्ति जो उनको मैदान से बाहर कर सकती है, इस्लाम है। उन्होने इस्लामी क्रांति के इन दस सालों में इस्लाम के हाथों मुंह की खाई है और तै कर लिया है कि जैसे भी संभव हो उसको ईरान से जो मोहम्मदी इस्लाम का गढ़ है उखाड़ फेकें।

(15 शाबान 68 को इमाम का संदेश)

TVShia.com

इस्लामी क्रांति को हानि पहुँचाने के तीन सबसे बड़े रास्ते इमाम ख़ुमैनी की नज़र में

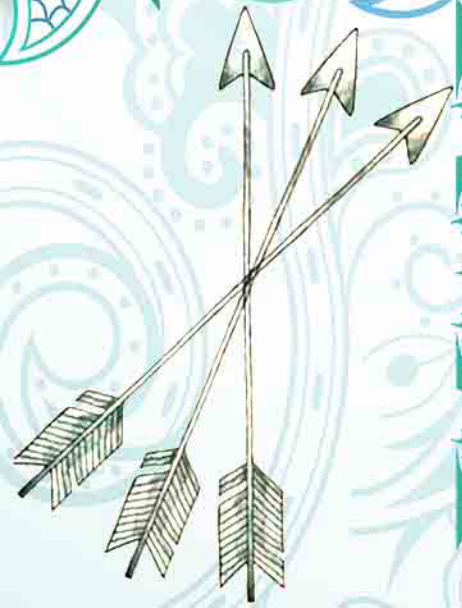

अगर हो सके तो सैन्य शक्ति से, न हो सका तो, अपनी अभद्र संस्कृति के प्रचार और क़ौम को इस्लाम एवं उनकी संस्कृति से दूर रख कर, और अगर इन दोनों से न हो सका तो मुनाफ़िक़ों, उदारवादियों और बिके हुए बेदीनों के हाथों से जिनके लिये मौलवियों और बेगुनाह लोगों का ख़ून बहाना पानी पीने की तरह है और जो घरों एवं कार्यालयों में घुसपैठ करवाते हैं कि शायद अपने गंदे लक्ष्यों को पा सकें और घुसपैठियों ने कई बार कहा है कि वह अपनी बात को सम्मानित भोलेभाले लोगों के मुंह से बोलते हैं।

(15 शाबान 68 को इमाम का संदेश)

TVShia.com

सरकार का सबसे बड़ा दायित्व
इमाम ख़ुमैनी की नज़र में

हमारे अधिकारियों को समझना चाहिये कि हमारा इन्क़ेलाब केवल ईरान की सीमाओं में सीमित नहीं है, ईरानी क्रांति इमाम ज़माना (अ) की सरपरस्ती मैं होने वाले महान इन्क़ेलाब का आग़ाज़ है... आर्थिक और संसारिक चीज़ें अगर अधिकारियों को एक लम्हे के लिये भी उसकी जिम्मेदारियों से दूर कर दें, तो यह बहुत बड़ी ख़ायानत और ख़तरा है। इस्लामी ईरान की सरकार को चाहिये कि वह लोगों की सुविधा के लिये अपना पूरा प्रयत्न करे लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि उनको इस्लामी क्रांति के महान लक्ष्यों और इस्लाम की वैश्विक हुकूमत की स्थापना के लक्ष्य से दूर कर दें।

(15 शाबान 68 को इमाम का संदेश)

TVShia.com

साम्राज्यवाद के विरुद्ध लड़ाई, किस क़ीमत पर

मैं एक बार फिर इस्लामी सत्ता के उच्च अधिकारियों से कहता हूँ कि अल्लाह के अतिरिक्त किसी से न डरें और पश्चिम के भ्रष्टाचार, वेश्यावृत्ति और कम्युनिज्म के अत्याचारों के विरुद्ध जिहाद से हाथ न खींचें कि पूर्व और पश्चिम के विरुद्ध यह हमारे प्रतिरोध का पहला क़दम है। क्या इससे अधिक कुछ हो सकता है कि हम ज़ाहेरन साम्राजी शक्तियों से हार कर समाप्त हो जाएंगे? क्या इससे अधिक कुछ हो सकता है कि वह दुनिया में हमको कट्टरपंथी और हिंसक लोगों के तौर पर प्रचारित करेंगे?.... क्या इससे अधिक कुछ हो सकता है कि मोहम्मदी इस्लाम की संतान पूरी दुनिया में सूली पर लटका दी जाएंगी? क्या इससे अधिक कुछ हो सकता है कि अल्लाह के लिये लड़ने वालों की महिलाएं और बच्चे पूरी दुनिया में गिरफ़्तार किये जाएंगे? तो इस गंदी माद्दी दुनिया को ऐसा करने दो लेकिन हम अपने इस्लामी दायित्व का पालन करेंगे।

(15 शाबान 68 को इमाम का संदेश)

TVShia.com

शाही हुकूमत की इस्लामी क्रांति से शत्रुता

आज मोहम्मदी इस्लाम से साम्राज्य की शत्रुता दूसरे किसी भी दौर से अधिक स्पष्ट हो गई है। एक बिके हुए लेखक के समर्थन में उन सबका एक हो जाना इस वास्तविक्ता को दिखाता है, शायद उन्होंने सोंचा भी न था कि अपने गंदें लक्ष्य तक पहुँचने में उनको इतना अपमान और ज़िल्लत उठानी पड़ेगी जो आज सर को झुका कर अपने किये पर पछतावे के साथ वापस पलटते हैं।

(15 शाबान 68 को इमाम का संदेश)